

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

Press Note 26 July 2020

On the occasion of Kargil Vijay Diwas, 63 UP BN NCC, Lucknow (UP)Girls Wing Celebrated online Kargil Vijay Diwas and organise a Webinar. Capt. Kiran Lata Dangwal coordinated this programme to pay tribute to the Sacrifice of all the Superheroes of the Kargil War. Captain Kiran Lata Dangwal, ANO (63 UP Bn) inaugurated the event and welcomed the Chief Guest - Dr. Alka Mishra, NSS Officer and Professor of Department of Mathematics and Astronomy, University of Lucknow. Cadets Harshita did anchoring of the programme and Senior Under Officer Raina Shukla presented self-made video on Heroes of Kargil. All the SW Cadets took part in the event enthusiastically and showcased so many beautiful painting and poetries and videos during the event and paid their tribute to the Immortals.

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर, 63 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ (यूपी) गर्ल्स विंग ने ऑनलाइन कारगिल विजय दिवस मनाया और वेबिनार का आयोजन किया। कैप्टन किरण लता डंगवाल ने कारगिल युद्ध के सभी सुपरहीरो के बलिदान को श्रद्धांजलि देने के लिए इस कार्यक्रम का समन्वय किया। कैप्टन किरण लता डंगवाल, एनओ (63 यूपी बीएन) ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और मुख्य अतिथि - डॉ अलका मिश्रा, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी और प्रोफेसर, गणित और खगोल विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय का स्वागत किया। कैडेट हर्षिता ने कार्यक्रम का सञ्चालन किया और सीनियर अंडर ऑफिसर रैना शुकला ने कारगिल के नायकों का वीडियो प्रस्तुत किया। सभी गर्ल्स कैडेटों ने उत्साह से इस कार्यक्रम में भाग लिया और इस कार्यक्रम के दौरान बहुत सारी सुंदर पेंटिंग और कविताएं और वीडियो दिखाए और अमर जवानों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा 'भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) के विभिन्न अनुप्रयोग' पर वेबिनार का आयोजन सिविल इंजीनियरिंग छात्रों के लिए किया गया। वेबिनार में इंजी० विनीत पोरवाल-आरएमएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ फ्लड मॉडलिंग विश्लेषक और इंजी०अभिषेक श्रीवास्तव-जीआईएस इंजीनियर एवं लिप्टन सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट्स एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड के विश्लेषक, ने जीआईएस की विभिन्न अवधारणाओं और अनुप्रयोगों के बारे में विस्तार से बताया। इंजी० अभिषेक श्रीवास्तव ने जीआईएस की अवधारणाओं को विस्तारित रूप से छात्रों को परिचित कराया। उन्होंने बताया कि शहरीकरण के बढ़ते पैटर्न का अध्ययन कैसे किया जा सकता है और हम कैसे, जीआईएस का उपयोग करके प्राकृतिक संसाधनों का पता लगा सकते हैं। इंजी०विनीत पोरवाल द्वारा छात्रों को, जीआईएस द्वारा सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आये बदलावों द्वारा परिचित कराया। उन्होंने 1992 में ली गई सैटेलाइट फोटोग्राफ के आधार पर दिल्ली और बंगलुरु की जीआईएस मैपिंग प्रस्तुत की। उन्होंने विभिन्न प्रकार के जल निकायों, ग्लेशियर और वन, शहरी क्षेत्रों और उपनगरों के जीआईएस मैपिंग को समझाया। सिविल इंजीनियरिंग में प्रयुक्त जीआईएस मैपिंग के विभिन्न तरीकों की भी व्याख्या की। छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

वेबिनार में भाग लिया। कई छात्रों ने 'जीआईएस और इसके अनुप्रयोग' पर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान एक्सपर्ट से पाया।

The ongoing 7 day International Web talk show on 'Gender Stereotypes: A Lived Reality', as per the guidelines of UGC, is being organized by the Institute of Women's studies, University of Lucknow. This event was inaugurated on 25th July 2020 and will continue till 31st July 2020, with sessions scheduled between 4.30 pm and 6:30 pm on each day. More than seven hundred participants have registered for this web talk show. The key features of this event includes a multi-dimensional approach on the subject through a range of speakers from Judiciary, Media, Police, Academics, Corporate World, Transgender, Culture and Literature.

The second day of this event had Hon'ble Mr Justice Manish Kumar, High Court of Judicature, Allahabad, as a speaker to bring in the perspective from the Judiciary. In its move towards breaking the barriers of gender stereotypes, this session also hosted Ms Simran Shaikh, a transgender working with India HIV Alliance as a Programme Officer. She added the perspective from the third gender into the discourse

Dr. Archana Shukla, Coordinator, Institute of Women's Studies and convener of this programme took the opportunity to welcome and introduce the distinguished guests and handed over the meeting to Prof. Manuka khanna, Department of Political Science, University of Lucknow, to moderate and facilitate the interactions there by. It was fascinating to witness in a platform like this to have an accomplished guest Hon'ble Mr Justice Manish Kumar who himself had an opportunity to be taught by Prof. Manuka khanna, the moderator for this event. Prof. Manuka also oriented the participants on what gender is and how it is being socially constructed.

Hon'ble Mr Justice Manish Kumar in his address shared his journey from choosing be to a lawyer to becoming a Justice. He pointed out that courts positively look out for female lawyers when it comes to elevation to senior positions, but unfortunately only around 10% to 15% of the total lawyers across the country are female. He encouraged women to consider this profession as it opens up so much of scope in terms of career progression for those who are committed irrespective of gender. He also expressed that one of the gender stereotypes that female lawyers get to face is the double burden between balancing their work life and their household work unlike men. This double burden puts them at a disadvantage, at times cutting short their productive work time especially when 15 to 16 hours of work hours are required of them.

Ms Simran Shaikh in her talk shared her journey so far to what she is now and the struggles involved in revealing her identity as a transgender to others and all the more the painful experience of not being accepted by the other genders. She also expressed that her deepest need was never to gain sympathy nor the empathy from other genders, but to be received, accepted and regarded as a transwoman. Prof.

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

Manuka khanna played a key role in facilitating both the speakers to express their views on gender stereotypes with the participants.

Ms Deepti Mehrotra facilitated the participants to formulate their expectations concerning gender stereotypes to ensure that they will be addressed in the upcoming sessions.

Dr. Archana Shukla in her vote of thanks expressed her gratitude to the speakers for their valuable contributions and to the moderator whose expertise had facilitated a dynamic interaction between the participants and the speakers. She concluded the session by inspiring the participants to look forward for yet another dimension from the corporate world on 27th July 2020.

महिला अध्ययन संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेब टॉक शो “जेंडर स्टीरियोटाइप्स”ः ए लिबड् रियलटी” के दूसरे दिन मुख्य अतिथि मनीष कुमार, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद शामिल हुए। सर्वप्रथम डा0 अर्चना शुक्ला ने न्यायाधीश मनीष जी का स्वागत किया और प्रो0 मनुका खन्ना ने न्यायाधीश मनीष जी के बारे में बताया, और इस प्रकार मनुका जी ने न्यायाधीश महोदय से बातचीत के दौरान उनके जीवन यात्रा के बारे में पूछा तो उन्होंने ने बताया कि न्यायालय में जेंडर भेदभाव न के बराबर होता है। महिलाओं को घर की देखभाल भी करनी पड़ती है, इसलिए वो बाहर के कार्यों में अपनी भागीदारिता कम कर पाती है। जबकी महिलाएँ बहुत अच्छा कर रही है न्यायिक क्षेत्र में। उन्होंने यह भी कहा कि मेरी पुत्री होगी तो मैं उसें जरूर इस क्षेत्र में लाना चाहूँगा। 10 से 15 प्रतिशत महिलाएं ही न्यायिक क्षेत्र में है बाकी सभी पुरुष है।

दूसरी अन्य मुख्य अतिथि एच0 आइ0 वी0 एलाइंस की सिमरन शेख शामिल हुई। शेख जी से भी उनकी जीवन यात्रा के बारे में पूछा गया कि तो उन्होंने बताया कि बिना संघर्ष के कोई जीवन नहीं है। पारसी लड़के के साथ ये घर से बाहर आयी और सड़को पर जीवन बिताया और लोगों के सामने हाथ फैलाने में शर्म आती थी। सड़कों पर इनको भटकता देखकर किन्नर समाज ने इन्हें अपनाया। शेख जी ने यह भी बताया कि समाज ने इन्हें तो कभी भी नहीं अपनाया। इन्होंने बार -डॉसर का जीवन भी व्यतीत किया। इस दौरान वेश्यावृत्ति में भी इन्होंने कदम रखा। फिर भी इन्होंने माना कि पढना जरूरी है, और अपनी पढाई को जारी रखा। उन्होंने बातचीत के दौरान यह भी बताया कि ये भारत का प्रतिनिधित्व युनाइटेड नेशन्स में करती है। इन दोनों वक्ताओं की बातचीत राजनीति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रो0 मनुका खन्ना से हुई।

कार्यक्रम की संयोजिका डा0 अर्चना शुक्ला, समन्वयक, महिला अध्ययन संस्थान ने बताया समाज में बदलाव लाने की आवश्यकता है, जिसमें कुछ ज्वलंत मुद्दें समाज को न केवल स्वीकारने पड़ेंगे बल्कि उनके प्रति संवेदनशील भी होना पड़ेगा। मानव की पहचान उसके आस्तित्व, आत्म-सम्मान से है, न कि वो एक महिला है या पुरुष। उन्होंने यह भी बताया कि यह टॉक शो प्रतिदिन शाम 4:30 से शाम 6:30 बजे तक हो रहा है, जो कि दिनांक 31 जुलाई 2020 तक लगातार चलेगा।